nt>
**Title:** Need to check eight crore rupees scandal by the Uttar Pradesh Water Corporation and requests to complete action plan to clean Aadi Ganga and Gomti River passes through Jaunpur.

श्री पारसनाथ यादव (जौनपुर): माननीय सभापति महोदय, भारत आस्था का एक देश है। इस देश में ३३ करोड़ देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना होती है। इतना ही नहीं इस देश में बहुत सी नदियां है, जिनको लोग बड़ी महत्ता से देखते हैं और उनमें स्नान करते हैं। उनके जल को बहुत पवित्र माना जाता है। गंगाजी, आदि गंगा, गोमती के जल को जहां छिड़क दिया जाता है, जहां डाल दिया जाता है, उस स्थान को पवित्र माना जाता है। इधर ८-१० सालों से जल के अभाव में बरसात की कमी के कारण इनका पानी कम होता जा रहा है तथा प्रदूषित भी होता जा रहा है। भारत सरकार ने गंगाजी के प्रदूषण को रोकने के लिए, जल की सफाई के लिए एक योजना बनाई थी। आदि गंगा, गोमती जो मेरे जनपद जौनपुर से होकर गुजरती है, उसकी सफाई के लिए भी एक योजना बनाई गई थी और १९९३ में उत्तर प्रदेश जल निगम को भारत सरकार ने आठ करोड़ रुपया दिया था। १९९३ में सफाई हेतु दिये गये पैसे से आज तक वहां कोई काम नहीं हुआ है। योजना इस तरह बनाई गई थी कि गोमती जो जौनपुर नगर से गुजरती है, उसकी सफाई के लिए गोमती की धारा को दस किलोमीटर बाहर से किया जायेगा और उसमें मिलने वाले नालों की सफाई की जायेगी। लेकिन वहां सफाई का कुछ कार्य नहीं किया गया।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश जल निगम जो आज तक इतने वर्षों से आठ करोड़ रुपये का गोलमाल करता रहा है

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री प्रभुनाथ सिंह।

... (व्यवधान)

श्री पारसनाथ यादव : सभापति जी, एक मिनट में समाप्त कर रहा हूं।

सभापति महोदय : आप बैठिये, मैंने प्रभुनाथ सिंह जी को बुलाया है।

श्री पारसनाथ यादव : सभापति महोदय, जो कार्य अभी तक नहीं किया गया है, उसकी जांच कराई जाए तथा जो इस पैसे का दुरुपयोग करने वाला अधिकारी है, जो गोलमाल कर रहा है, उसके खिलाफ कार्यवाही की जाए और इस कार्य को तुरंत पूरा कराया जाए।